

SJVN ने IIT पटना के साथ साझेदारी की

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **SJVN लमिटिड** ने अपनी सुरंग परियोजनाओं में उन्नत भूवैज्ञानिक मॉडल का उपयोग करने के लिये **भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान- पटना (IIT पटना)** के साथ एक **समझौता ज्ञापन (MoU)** पर हस्ताक्षर किये हैं। इससे समय और लागत में काफी कमी आएगी।

मुख्य बंदि:

- इस साझेदारी के प्रमुख परिणामों में से एक **प्रीडिक्टिव एनालिटिक्स एल्गोरिदम** का विकास होगा।
 - ये एल्गोरिदम एकीकृत भू-तकनीकी डेटा का लाभ उठाकर **संभावित जोखिमों** का पहले से अनुमान लगाएंगे और विशेष रूप से सुरंग परियोजनाओं के लिये तैयार की गई **प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली प्रदान करेंगे**।
 - इस तरह के सक्रिय उपायों से परियोजना कार्यान्वयन के दौरान **समय और लागत में काफी कमी होने** की आशा है।
- MoU की प्राथमिकता अत्याधुनिक कार्यप्रणाली विकसित करना है जो विविध भू-तकनीकी डेटा स्रोतों को एकीकृत करती है।
 - इनमें **SJVN की परियोजनाओं से संबंधित भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, बोरहोल डेटा, भूभौतिकीय माप और नगिरानी डेटा** शामिल होंगे।
- इस सहभागिता का उद्देश्य ओवरबर्डन व डिफॉर्मेशन (वर्षण) के बीच जटिल संबंधों का मूल्यांकन करना भी है, जिससे सुरंग परियोजनाओं के लिये महत्त्वपूर्ण समर्थन प्रणालियों के मूल्यांकन और डिज़ाइन को संवर्धित किया जा सके।
 - एकीकृत भू-तकनीकी डेटा और 3D भूवैज्ञानिक मॉडल का उपयोग करके, SJVN तथा IIT- पटना का लक्ष्य **संभावित जोखिमों व खतरों की पहचान करना एवं उनका विश्लेषण करना** है।

सतलुज जल वदियुत नगिम (SJVN लमिटिड)

- यह एक **भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र का उपकरण** है जो जलवदियुत ऊर्जा उत्पादन और ट्रांसमिशन में शामिल है।
- इसे वर्ष **1988** में **नाथपा झाकड़ी पावर कॉर्पोरेशन** के रूप में शामिल किया गया था, जो भारत सरकार और हिमाचल प्रदेश सरकार के बीच एक संयुक्त उद्यम था।